(Punjab), Shrimati Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh), Shrimati Renuka Chowdhury (Telangana), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Haris Beeran (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sujeet Kumar (Odisha) and Shri Jawhar Sircar (West Bengal).

Demand to start direct flights from Delhi to Jagdalpur, Chhattisgarh

श्री मुजीबुल्ला खान (ओडिशा): उपसभापति महोदय, मैं जगदलपुर शहर, जो छत्तीसगढ़ के बस्तर जिला में है, बहुत अच्छा और खूबसूरत शहर है। उस शहर की दिल्ली से डायरेक्ट कनेक्टिविटी नहीं है। अगर दिल्ली से वहाँ की डायरेक्ट कनेक्टिविटी हो, तो इससे लोगों को, खासकर टूरिस्ट्स को, बहुत सहूलियत होगी। वहाँ पर जगदलपुर के आसपास किरंदुल आयरन ओर माइंस है, बैलाडीला माइंस है और टूरिस्ट प्लेस के हिसाब से चित्रकूट वॉटरफॉल है, तीरथगढ़ है और इंडस्ट्रीज़ के हिसाब से अभी NMDC का स्टील प्लांट स्थापित हुआ है।

इसके साथ-साथ सबसे बड़ी बात यह है कि जगदलपुर शहर ओडिशा से लगा हुआ है। वहाँ से 14-15 किलोमीटर जाने के बाद ओडिशा आता है। ओडिशा में भी कुछ ऐसे प्रमुख स्थान हैं, जो दिल्ली से डायरेक्टली कनेक्ट हो सकते हैं। ओडिशा के कोरापुट डिस्ट्रिक्ट में गुप्तेश्वर टेम्पल है, जो कि भगवान शिव का बहुत अच्छा मन्दिर है, जहाँ लोग देश के अन्दर से तो आते ही हैं, बाहर से, देश-विदेश से भी आते हैं। इसके होने से वहाँ जाने के लिए भी एक बहुत बड़ी सुविधा स्थापित हो सकती है।

वहाँ सुनाबेड़ा में हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) है, जो हमारा मिग का कारखाना है। वहाँ जाने के लिए भी जो ऑफिसर्स दिल्ली से डायरेक्ट जाना चाहते हैं, अगर वे जगदलपुर में उतरेंगे, तो वह पास में ही होगा। नवरत्न कम्पनियों में से एक नेल्को भी वहीं आसपास में दामनजोड़ी में है। इसी प्रकार से, 120 किलोमीटर के रेडियस में छत्तीसगढ़ और ओडिशा, दोनों को इससे बेनिफिट हो सकता है, अगर वहाँ के लिए दिल्ली से डायरेक्ट फ्लाइट हो। इससे टूरिस्ट्स के लिए भी सुविधा हो सकती है, ऑफिशियल्स के लिए भी सुविधा हो सकती है और छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा के जो स्टूडेंट्स यहाँ दिल्ली में पढ़ते हैं, उनके लिए भी सुविधा हो सकती है कि वे ठीक वक्त पर अपने गंतव्य तक पहुँच सकेंगे।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करूँगा कि at least हफ्ते में दो दिन दिल्ली से जगदलपुर, छत्तीसगढ़ के लिए डायरेक्ट फ्लाइट होनी चाहिए, ताकि अभी जो हैदराबाद से या रायपुर से घूम कर जाना पड़ता है, इससे टूरिस्ट्स को, लोगों को बहुत तकलीफ होती है। तो केन्द्र सरकार से मेरी गुजारिश है कि सबको नजर में रखते हुए, दो स्टेट्स को नजर में रखते हुए, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को नजर में रखते हुए, सबकी सुविधा के लिए, अगर इसे हफ्ते में दो दिन के लिए शुरू किया जाए, तो बहुत सुविधा होगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Muzibulla Khan: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Subhasish Khuntia (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

Demand to start commercial air services from Andhau airstrip in Ghazipur, Uttar Pradesh

डा. संगीता बलवन्त (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, आपने मुझे एक जनकल्याणकारी विषय पर बोलने का जो सुअवसर प्रदान किया है, इसके लिए मैं आभार व्यक्त करती हूँ।

आज़ादी के 67 साल बाद 2014 से पहले सम्पूर्ण भारतवर्ष में मात्र 74 एयरपोर्ट्स थे। 2014 के बाद यशस्वी प्रधान मंत्री, माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में पिछले 10 वर्षों में एयरपोर्ट्स की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई और एयरपोर्ट्स की संख्या बढ़ कर 148 हो गई है। महोदय, इसी क्रम में, मैं उत्तर प्रदेश के अपने गृह जनपद गाजीपुर की तरफ केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहना चाहूँगी कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से 5 किलोमीटर की दूरी पर, गाजीपुर-मऊ मार्ग पर अंधऊ में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 63 एकड़ में फैली हुई हवाई पट्टी बनाई गई थी। आज भी यह अंधऊ हवाई पट्टी सक्रिय है, जिस पर आए दिन चार्टर्ड प्लेन्स उतरते रहते हैं।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं गाजीपुर अंधऊ हवाई पट्टी को केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'उड़ान योजना' के तहत व्यावसायिक विमान सेवा हेतु स्थापित कराने की माँग करती हूँ, क्योंकि गाजीपुर जनपद के साथ-साथ मऊ, बलिया, आजमगढ़, चंदौली जनपदों के साथ-साथ सीमावर्ती बिहार प्रांत के कई जिलों के लोगों के आवागमन के लिए सुगमता प्रदान करेगा। यह इन जगहों के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, क्योंकि इन जनपदों के नागरिकों को हवाई यात्रा हेतु 50 से 150 किलोमीटर तक का सफर तय करके वाराणसी या गोरखपुर एयरपोर्ट जाना पड़ता है।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं दो पंक्तियाँ कह कर अपनी वाणी को विराम दूँगी। ये पंक्तियाँ मेरी स्वरचित हैं। मैं कहना चाहूँगी :

'ताज पहनने की चाहत तो सबको है,
पर आदमी उस लायक होना चाहिए।
तकदीर जो देश की बदल दे, मोदी जैसा नायक होना चाहिए।'

बहुत-बहुत धन्यवाद।